बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग
उत्तर प्रदेश

शाला पूर्व शिक्षा बाल मूल्यांकन कार्ड — 05–06 वर्ष आयु वर्ग

जनपद का नामः	बच्चे की पंजीकरण के समय का पासपोर्ट साइज फोटो
परियोजना का नामः	
आंगनबाड़ी केंद्र का नाम एवं कोडः	
आंगनबाड़ी कार्यकर्ती का नामः	
बच्चे का नामः	
बच्चे की जन्म तिथिः	लिंग*: लड़की ☐ लड़का ☐
आधार कार्ड संख्याः	राशन कार्ड संख्याः
माता का नामः	पिता का नामः
बच्चे का पताः	बच्चे का केंद्र पर पंजीकरण की तिथिः

*कृपया उचित स्थान पर चिन्ह (✓) दें

अभिभावकों के लिएः

1. आंगनबाड़ी केंद्र में मूल्यांकन कोई परीक्षा नही है।
2. यह मूल्यांकन आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा वर्ष में दो बार किया जाएगा।
3. यह मूल्यांकन आपके बच्चे के नियमित विकास के लिए ज़रूरतों को पहचानने में मदद करेगा।
4. इस मूल्यांकन से आपको यह जानकारी मिलेगी किः–
   - आपके बच्चे अपने आयु के अनुसार विकास के किस स्तर पर हैं।
   - वह किन गतिविधियों को स्वयं करने सक्षम हैं।
   - उसे कहाँ पर और सहायता की ज़रूरत हैं।
5. इस मूल्यांकन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा आपको यह अवगत कराया जाएगा कि आपके बच्चे के नियमित विकास के लिए आपके द्वारा घर पर किस प्रकार का सहयोग आवश्यक हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के हस्ताक्षर
(तिथि के साथ)

अभिभावक के हस्ताक्षर
(तिथि के साथ)

विकास के क्षेत्र	मूल्यांकन का माह	पहला मूल्यांकन			दूसरा मूल्यांकन		
	संकेतक	स्वयं करते हैं	मदद चाहिए	नहीं कर पाते हैं	स्वयं करते हैं	मदद चाहिए	नहीं कर पाते हैं
शारीरिक विकास	समूह खेल और अंदर खेले जाने वाले खेल में सक्रिय रूप से भाग ले पाना						
	किसी दिए गए दिशा में गेंद को फेंक और लात मार पाना						
	आगे, पीछे या किनारे चल पाना						
	एक पैटर्न बनाते हुए धागे में मोती डाल पाना						
	एक जटिल आकृति बनाने के लिए बिंदुओं को मिलान कर पाना						
बौद्धिक विकास	गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों के अनुसार विभिन्न वस्तुओं का वर्गीकरण कर पाना						
	वस्तुओं को किसी तीन अवधारणाओ पर वर्गीकृत कर पाना – छोटी, पीली, गोल इत्यादि						
	एक जटिल पैटर्न को पूरा कर पाना						
	दो चित्रों के बीच अंतर स्पष्ट कर पाना						
	संख्याओं को 01 से 09 तक व्यवस्थित कर पाना						
भाषा विकास	वार्तालाप और कहानियों को ध्यान से सुन पाना						
	सरल वाक्यों में अपने भावनाओं और विचारों को व्यक्त कर पाना तथा प्रश्न पूछ पाना						
	कहानी बनाते समय अन्य बच्चों के साथ अपने विचारों को भी साझा करना						
	किताब और अन्य छपी सामग्री का पता लगाकर कुछ परिचित शब्दों का मतलब निकाल पाना						
	एक समान पहली और आखरी ध्वनि वाले शब्दों का वर्गीकरण कर पाना						
सामाजिक एवं भावनात्मक विकास	खेल में नियमों के साथ टीम का हिस्सा बनकर खेल पाना						
	परिचित व्यक्तियों से सहजता से बात कर पाना						
	दोस्तों के साथ साझा कर पाना						
	खेलते या अन्य स्थितियों में अपनी बारी के लिए इंतजार कर पाना						
	खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को पहचान और व्यक्त कर पाना						
रचनात्मक विकास	नई चीजें सीखने की जिज्ञासा और रुचि दिखाना						
	काल्पनिक खेल में शामिल होने का आनंद लेना						
	दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना – जैसे दी गई सामग्री से विभिन्न वास्तु बना पाना						
	नृत्य, नाटक और संगीत में प्रतिभागिता कर पाना						
	चित्रकारी, चित्रकला और समस्याओं का समाधान करने में कल्पना का उपयोग कर पाना						